भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: *300

दिनांक 08 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सिकल सेल रोग के संबंध में जागरूकता अभियान

†*300. डॉ. हेमंत विष्णु सवराः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को यह जानकारी है कि देश में सिकल सेल रोग से कितने लोग पीड़ित हैं और यदि हाँ, तो महाराष्ट्र सहित तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) देश में उक्त रोग के उपचार संबंधी सुविधाओं तथा जांच और परामर्श सेवाओं की प्रगति की राज्य/संघ राज्यक्षेत्र- वार वर्तमान स्थिति क्या है;
(ग) क्या सरकार देश में सिकल सेल रोग के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार ने सिकल सेल रोग की समस्या से निपटने और लोगों को रोग का समय पर निदान कराने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु जागरूकता अभियान चलाए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या उक्त रोग के लक्षणों और उपचार के संबंध में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए इच्छुक लोगों/स्वयंसेवी संगठनों को कोई अनुदान प्रदान किया जा रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) महाराष्ट्र के पालघर जिले सहित देश भर के दूरदराज/जनजातीय क्षेत्रों में उक्त बीमारी के रोगियों को आसान और सुलभ उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री

(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 08 अगस्त, 2025 के लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 300 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (च): सिकल सेल रोग (एससीडी) खत्म करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिनांक 1 जुलाई, 2023 को मध्य प्रदेश से राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन (एनएससीएईएम) लॉन्च किया गया है। इस मिशन का उद्देश्य सिकल सेल से रोगग्रस्त सभी रोगियों को किफायती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण परिचर्या प्रदान करना, जागरूकता सृजन के माध्यम से एससीडी के प्रसार में कमी लाना, जनजातीय क्षेत्रों के प्रभावित जिलों में 0-40 वर्ष की आयु के 7 करोड़ लोगों की वर्ष 2025-26 तक लक्षित जांच और केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों के सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से परामर्श प्रदान करना है। एनएससीएईएम के तहत, जिला अस्पतालों से लेकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) स्तर तक सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर जांच की जाती है। दिनांक 28.07.2025 की स्थिति के अनुसार, महाराष्ट्र सहित 17 चिन्हित जनजातीय बहुल राज्यों में कुल 6,04,50,683 लोगों की जांच की जा चुकी है, जिनमें से 2,16,118 लोगों के रोगग्रस्त होने की पुष्टि हो चुकी है। महाराष्ट्र सहित अन्य प्रभावित राज्यों में जांच के माध्यम से पहचान किए गए रोगियों का राज्यवार विवरण अनुलग्नक-I में संलग्न है।

एनएससीएईएम के तहत, महाराष्ट्र और दूरदराज/आदिवासी क्षेत्रों सहित देश भर में जिला अस्पतालों से लेकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) स्तर तक सभी स्वास्थ्य केंद्रों में जांच की जाती है। एससीडी से पीड़ित रोगियों को एएएम के माध्यम से उनके जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए निम्नलिखित सेवाएँ/सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं;

- रोगग्रस्त व्यक्तियों का नियमित अंतराल पर अनुवर्ती परीक्षण।
- जीवनशैली प्रबंधन, विवाह-पूर्व और प्रसव-पूर्व निर्णयों के संबंध में परामर्श।
- फोलिक एसिड की गोलियों के वितरण के माध्यम से पोषण संबंधी पूरक सहायता।
- योग और आरोग्य सत्र आयोजित करना।
- पीड़ा के लक्षणों का प्रबंधन और उच्चतर सुविधा केंद्रों के लिए रेफरल।

दिनांक 28.07.2025 तक देश में कुल 2,62,67,997 जेनेटिक काउन्सलिंग आईडी कार्ड वितरित किए जा चुके हैं।

दवा की उपलब्धता की समस्या के समाधान हेतु उप-स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी)/शहरी पीएचसी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों में हाइड्रोक्सीयूरिया को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की आवश्यक औषधि सूची में शामिल किया गया है। सिकल सेल एनीमिया के रोगियों द्वारा वहन किए जाने वाले खर्च को कम करने के लिए हाइड्रोक्सीयूरिया की खरीद हेतु एनएचएम के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने विभिन्न राज्यों में जनजातीय कार्य मंत्रालय (एमओटीए) द्वारा वित्तपोषित एससीडी संबंधी उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) की स्थापना के लिए लागत मानदंडों हेतु दिशानिर्देश जारी किए हैं। आज की स्थिति के अनुसार जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा देश में 15 उत्कृष्टता केंद्रों को मंजूरी दी जा चुकी है।

जनजातीय कार्य मंत्रालय के माध्यम से जागरूकता और परामर्श सामग्री विकसित की गई है और राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों में प्रसारित की गई है। मासिक आयुष्मान आरोग्य शिविरों के माध्यम से, सामाजिक सुरक्षा सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता बढ़ाई जाती है।

यह मंत्रालय राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के रूप में प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर सिकल सेल एनीमिया के लिए जांच और दवाओं की खरीद के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

एनएचएम के तहत, मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) दूरदराज/आदिवासी क्षेत्रों सहित पूरे देश में स्वास्थ्य परिचर्या सेवाएँ प्रदान करती हैं। दिनांक 31.07.2025 की स्थिति के अनुसार, देश भर में एससीडी के लिए एमएमयू के माध्यम से 3.38 लाख जाँचें की जा चुकी हैं, जिनमें महाराष्ट्र के पालघर जिले में 6,695 जांच शामिल हैं।

****

अनुलग्नक-I

दिनांक 28.07.2025 की स्थिति के अनुसार प्रभावित राज्यों में स्क्रीनिंग के माध्यम से पहचान किए गए रोगियों की कुल संख्या		
राज्य का नाम	**कुल की गईं जाँचें**	**पहचान किए गए कुल रोगियों की संख्या**
आंध्र प्रदेश	13,22,033	2,169
असम	10,73,410	286
बिहार	2,18,316	8
छत्तीसगढ़	1,54,40,569	26,160
गुजरात	77,34,861	28,178
झारखंड	26,86,659	2,145
कर्नाटक	3,49,319	579
केरल	1,76,690	1,469
मध्य प्रदेश	1,12,42,861	30,762
महाराष्ट्र	72,02,439	23,258
ओड़िशा	45,46,309	96,484
राजस्थान	37,06,003	2,735
तमिलनाडु	3,76,357	476
तेलंगाना	10,71,585	488
उत्तर प्रदेश	7,63,236	32
उत्तराखंड	1,53,171	6
पश्चिम बंगाल	23,86,865	883
कुल	**6,04,50,683**	**2,16,118**

****

*****